जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन 2019 Act

सरदार वल्लभभाई पटेल की 144वीं जयंती के उपलक्ष्य में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बनाये जाऐंगे। राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांटने वाले 'जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन' 2019 Act को मंजूरी दे दी। इसके अनुसार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अधिकारिक तौर पर 31 अक्टूबर (सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती) के दिन केंद्र शासित प्रदेश बनाये जाऐंगे।

सरदार वल्लभभाई पटेल

परिचय : सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म अक्टूबर 31, 1875 में नडियाद, गुजरात में एक (पटेल) हुआ था। ये झवेरभाई पटेल एवं लाडबा देवी की चौथी संतान थे। सोमाभाई, नरसीभाई और विट्ठलभाई सरदार वल्लभभाई पटेल के अग्रज थे।

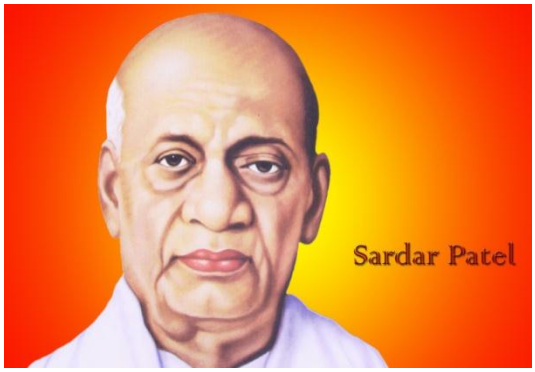

चित्र : सरदार वल्लभभाई पटेल

शिक्षा :सरदार वल्लभभाई पटेल की शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय से ही हुई। लन्दन जाकर उन्होनें बैरिस्टर की पढ़ाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। बाद में महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होनें भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया।

देशहित में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका :

- सरदार वल्लभभाई पटेल भारत के एक सफलतम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे।
- **बारदोली सत्याग्रह** : बारदोली सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे पटेल को सत्याग्रह की सफलता पर वहाँ की महिलाओं ने उन्हें सरदार की उपाधि प्रदान की।
- खेड़ा संघर्ष में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरे भारत के भू-राजनीतिक एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए पटेल का भारत का बिस्मार्क और लौह पुरूष भी कहा जाता है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की उपलब्धियाँ :

- भारत की आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल 15 अगस्त, 1947 से 15 दिसम्बर, 1950 तक भारत के उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री रहे।
- बारदोली सत्याग्रह की सफलता पर वहाँ महिलाओं द्वारा 'सरदार' की उपाधि प्राप्त की।
- भू-राजनीतिक एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत का बिस्मार्क और लौह पुरूष को कहा जाता है।